प्रधानमंत्री द्वारा ... पेज 2

आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

मुख्यमंत्री रोजगार... पेज 3

वर्षः 10 | अंकः 355 | जयपुर, रविवार 05 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान को मिली विकास की नई सौगातें– मदन राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर लाइव प्रसारित, जिला प्रभारी मंत्रियों के साथ संगठन जिला प्रभारी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की रही उपस्थिति

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप राजस्थान को निरंतर नई विकास परियोजनाओं का लाभ मिल रहा है।

इससे प्रदेश के औद्योगिक, आधारभूत एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी तथा लाखों युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान को लगातार विकास कार्यों में प्राथमिकता मिल रही है। इन परियोजनाओं से प्रदेश की औद्योगिक क्षमता बढ़ेगी, आधुनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा पर्यटन, व्यापार और निवेश को नया प्रोत्साहन प्राप्त होगा। राठौड़ ने राजस्थान रिफाइनरी परियोजना, जयपुर मेट्रो के द्वितीय चरण (फेज-2) तथा जोधपुर एयरपोर्ट के विकास एवं विस्तार के लिए केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश की प्रगति के नए आयाम स्थापित करेंगी। राठौड़ ने बताया कि नए कार्यों के साथ भाजपा की भजनलाल

सरकार ने करीबन 54 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्र सरकार के सहयोग से राजस्थान तेज गति से विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान आने वाले वर्षों में विकास, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सभी जिलों में लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान जिलों के प्रभारी मंत्रियों के साथ प्रभारी संगठन पदाधिकारियों, जिला कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रमों को लाइव श्रवण किया। जिला मुख्यालयों पर आयोजित कार्यक्रमों में जिला प्रभारी मंत्रियों ने युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी , प्रेमचंद बैरवा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा, सरिता गैना, प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल, भूपेंद्र सैनी, डॉ मिथिलेश गौतम सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

आर्मी, वायुसेना, नेवी के बाद स्पेस बनेगा नया युद्धक्षेत्र

राजस्थान सीमा पर सैटेलाइट्स से किए थे ड्रोन ट्रैक; भारत का बड़ा दांव, 52 नए सैटेलाइट नेटवर्क

जयपुर। भारत 2025 से 2029 के बीच स्पेस बेस्ड सर्विलांस प्रोग्राम के तहत 52 नए निगरानी सैटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इसी दौरान ऑपरेशन सिंदूर, NavIC नेटवर्क, जॉइंट मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन दिखा रही हैं कि भारत की सैन्य रणनीति में स्पेस की भूमिका लगातार बढ़ रही है। जॉइंट मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन का मतलब ऐसी गाइडलाइन है, जो बताती है कि युद्ध या शांति के समय तीनों सेनाएं मिलकर अंतरिक्ष आधारित संसाधनों का प्रभावी और सुरक्षित उपयोग कैसे करें। इसका असर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर भी दिखाई दिया था। युद्ध के समय पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में 413 ड्रोन हमलों की कोशिश की गई थी। हालांकि स्पेस बेस्ड सर्विलांस के तहत लॉन्च सैटेलाइट की क?ी मॉनिटरिंग से सभी हमलों को नाकाम किया गया। साथ ही दुश्मन के रडार सिस्टम को भी ध्वस्त कर दिया गया था। इसी वजह से भारत युद्ध के मोर्चे पर आगे रहा था। सैन्य अधिकारियों, स्पेस एक्सपर्ट और पूर्व सैन्य कमांडरों का मानना है कि जमीन, समुद्र और हवा के साथ अब स्पेस भी देश की सुरक्षा का बड़ा हिस्सा बन चुका है। आज के समय में युद्ध सिर्फ सीमा पर तैनात सैनिकों और हथियारों से नहीं जीते जाते। स्पेस आधारित सिस्टम तेजी से अहम भूमिका निभा रहे हैं।

8 मौत के बाद हाइवे पर नए नियमों की तैयारी

एडवांस लाइफ सपोर्ट वाली एम्बुलेंस और फायर बिग्रेड तैनात करने के निर्देश

जयपुर। दौसा में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर 1 जुलाई को हुए भीषण सड़क हादसे के बाद सरकार ने हाइवे पर सेफ्टी के लिए नए नियम तय करने की तैयारी है। इसके तहत अब एक्सप्रेस-वे पर बेसिक लाइफ सपोर्ट के बजाए एडवांस लाइफ सपोर्ट वाली एम्बुलेंस तैनात होगी। जो पूरी तरह NHAI की तरफ से मेंटेन होगी। इसके साथ ही निर्धारित दूरी पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां भी तैनात की जाएगी, ताकि दुर्घटना आगजनी की घटना होने पर तुरंत बचाव के लिए टीम भेजी जा सके। दरअसल, दौसा के हादसे में 8 लोगों की मौत के बाद मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने इस पूरे मामले की जांच करने, भविष्य में दुर्घटनाओं को कम करने और राहत-बचाव की टीम जल्द से जल्द घटना स्थल पर पहुंचे, इस पर सुझाव मांगने के लिए एक कमेटी बनाई थी। परिवहन विभाग के अपर परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी ने एक्सीडेंट वाली जगह का जायजा लिया। रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें ये सुझाव दिए।

50 फीसदी एम्बुलेंस नहीं हो रही शो

कमेटी ने रिपोर्ट में बताया- प्रदेशभर में नेशनल हाइवे पर एनएचएआई की तरफ से 1033 एम्बुलेंस तैनात कर रखी है, जो सभी बीएलएस सपोर्ट की है। लेकिन इनमें से केवल 50 फीसदी ही एम्बुलेंस 108 सर्विस डेशबोर्ड पर दिखाई देती है। रिपोर्ट में बताया- एक्सीडेंट होने के बाद आमजन सबसे पहले 108 पर ही कॉल करते हैं। 108 पर आई कॉल में घटनास्थल के सबसे नजदीक जो एम्बुलेंस होती है, उसे ही पहले भेजा जाता है। ऐसे में कमेटी ने सभी एम्बुलेंस को **BLS** की जगह **ALS** सपोर्ट वाली तैनात करने। सभी एम्बुलेंस को 108 डेशबोर्ड पर रिफलेक्ट करने और इन एम्बुलेंस के साथ इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया। ये सभी एम्बुलेंस और **EMT** एनएचएआई की तरफ से नियुक्त किए जाएं।

फायर बिग्रेड की गाड़ियां हो नियुक्त

रिपोर्ट में बताया- एक्सप्रेस-वे पर निर्धारित दूरी पर (हर रेस्ट एरिया पर) फायर बिग्रेड की गाड़ियां तैनात की जाएगी। ये फायर बिग्रेड सरकार द्वारा तैनात की जाएगी और इनका रखरखाव **NHAI** की तरफ से किया जाएगा। ताकि दुर्घटना होने पर अगर कोई आगजनी की घटना होती है तो तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। इसके अलावा **NHAI**की तरफ से रेस्ट एरिया पर ही छोटी-बड़ी क्रन, वेल्डिंग मशीन, कटिंग मशीन और इनके ऑपरेटर भी स्थायी रूप से नियुक्त किए जाएंगे।

गहलोत बोले-रिफाइनरी के इतिहास की सीएम को जानकारी नहीं है

मदन राठौड़ का पलटवार, कहा- 'रिफाइनरी पर गुमराह करना बंद करें गहलोत'

जयपुर। रिफाइनरी को लेकर कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच सियासी वार पलटवार का दौर शुरू हो गया है। सीएम भजनलाल शर्मा के बयान पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- 'सीएम को रिफाइनरी के इतिहास की बुनियादी जानकारी तक नहीं है।' गहलोत ने एक्स पर कांग्रेस राज के दौरान रिफाइनरी शिलान्यास की तस्वीरें भी शेयर की हैं। इस पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा- 'गहलोत साहब, पचपदरा रिफाइनरी को लेकर जनता को गुमराह करना बंद करें।'

गहलोत बोले- रिफाइनरी को लेकर सीएम को गलत जानकारी

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सीएम पर पलटवार करते हुए एक्स पर लिखा- मुख्यमंत्री पूर्व में रिफाइनरी में केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी को लेकर गलत बयान दे चुके हैं। मुख्यमंत्री को यदि इतिहास की जानकारी नहीं है, तो वे सार्वजनिक रूप से गलत बयानबाजी करने के बजाय अपने अधिकारियों से सही आंकड़े और दस्तावेज मंगवाकर पढ़ लें। गहलोत ने लिखा- मुख्यमंत्री को शायद यह ज्ञात ही नहीं है कि पचपदरा रिफाइनरी का वास्तविक शिलान्यास साल 2013 में ही यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री वीरप्पा मोइली द्वारा किया जा चुका था। ये तस्वीरें उसी मौके की है। इसके विपरीत, केंद्र सरकार और राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पांच साल तक ठंडे बस्ते में डालकर अटकाए रखा, जिससे इसकी लागत 37,000 करोड़ रुपए से दोगुनी बढ़कर लगभग 80,000 करोड़ रुपए हो गई।

रिफाइनरी के लिए एचपीसीएल को राजी करना चुनौतीपूर्ण काम था

गहलोत ने लिखा- राजस्थान में रिफाइनरी की स्थापना के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को राजी

करना भी एक बेहद चुनौतीपूर्ण काम था। सामान्यतः रिफाइनरी परियोजनाओं में राज्य सरकार की कोई हिस्सेदारी नहीं होती है, लेकिन एचपीसीएल को सहमत करने के लिए राजस्थान सरकार ने दूरदर्शिता दिखाते हुए रिफाइनरी में 26% की हिस्सेदारी ली। इसी के परिणामस्वरूप यह एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) नामक संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) बना, जिसने इस रिफाइनरी का निर्माण किया है।

मदन राठौड़ बोले- गहलोत साहब,रिफाइनरी पर गुमराह करना बंद करें

मदन राठौड़ ने एक्स पर लिखा- 'कागजी शिलान्यास बनाम धरातल का विकास।' गहलोत साहब, पचपदरा रिफाइनरी को लेकर जनता को गुमराह करना बंद करें। राजस्थान की जनता भ्रामक बयानों और चुनावी स्टंट का अंतर अच्छी तरह जानती है। 2013 में चुनाव से ठीक दो महीने पहले बिना बजट, बिना जमीन और बिना पर्यावरण मंजूरी के केवल वोट बैंक के लिए पत्थर लगाना विकास नहीं, राजनीतिक छलावा था।

कांग्रेस राज में एचपीसीएल से एमओयू पर प्रदेश पर बोझ था

मदन राठौड़ ने लिखा- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के हितों को ताक पर रखकर एचपीसीएस से जो एमओयू किया था, वह राजस्थान पर भारी वित्तीय बोझ था। 2014 में भाजपा सरकार ने कड़ा मोलभाव कर राज्य के हजारों करोड़ रुपए बचाए और जनवरी 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसका वास्तविक कार्यारंभ कराया।

काम की कछुआ चाल के जिम्मेदार आज खुद को दूरदर्शी बता रहे हैं

राठौड़ ने लिखा- लागत बढ़ने का रोना रोने वाले याद रखें कि 2018 से 2023 के बीच अपनी आंतरिक गुटबाजी और प्रशासनिक अकर्मण्यता के कारण इस प्रोजेक्ट को अटकाने, लटकाने और भटकाने का काम किसने किया? काम की कछुआ चाल के असली जिम्मेदार आज खुद को दूरदर्शी बता रहे हैं। हमारी डबल इंजन सरकार कागजी पत्थरों पर नहीं, धरातल पर काम करने में विश्वास रखती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पचपदरा रिफाइनरी का काम अब पूरी पारदर्शिता और तीव्र गति से पूरा होकर जल्द राजस्थान की प्रगति का नया आधार बनेगा।

आदिवासी कांग्रेस का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा सहित कई प्रदेश संगठन के लोगों ने की शिरकत

टोडी आदिवासी मीणा छात्रावास में 10 लाख की लागत से बनेगा पुस्तकालय विधायक भगवाना राम सैनी ने की घोषणा

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव /उदयपुरवाटी । गुढ़ागौड़जी कस्बे के अभिनंदन गार्डन में शनिवार को आदिवासी कांग्रेस का जिला स्तरीय सम्मेलन जिलाध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं डूंगरपुर के विधायक गणेश घोघरा ने काग्रेस पार्टी को मजबूत करने पर विस्तार से विचार रखे। विशिष्ट अतिथि उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी ने आदिवासी समाज की जमकर तारीफ की। आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राधेश्याम मुहेल , प्रदेश संगठन महासचिव हरफूल मीणा, जयपुर संभाग प्रभारी कैलाशी मीणा, राहुल भैया, आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, पूर्व ख्याली राम,राजीव गोरा,पूर्व जिला परिषद सदस्य बालूराम उतरासर,, दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड एसीपी राधेश्याम मीणा सिंघाना, मीणा हॉस्टल अध्यक्ष रामचंद्र मीणा, शिवलाल मीणा रिंगस, रामकुमार भीमसर, सहित कई वरिष्ठ लोगों ने संबोधित किया। सम्मेलन में अतिथियों का साफा ओर माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने आदिवासी काग्रेस पार्टी को ब्लॉक स्तर से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी ने टोडी आदिवासी मीणा छात्रावास में अपने विधायक कोष से 10लाख रुपये की लागत से लाइब्रेरी पुस्तकालय का निर्माण कराने की घोषणा की।। इस अवसर पर विनोद मीणा अशोक मीणा, प्रभाती लाल मीणा, होशियार सिंह मीणा रामसिंह मीणा बामलास मामराज मीणा, मनोज मीणा कालोटा, रोहिताश मीणा भोड़की, अमित मीणा घोड़ी वारा रामनिवास मीणा, प्रहलाद मीणा कालूसर, प्यारे लाल मीणा सले दी पूरा, बिलासा राम भोड़की, , संजय मीणा रवा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन संजय मीणा रवा ने किया।

प्रधानमंत्री द्वारा राजस्थान में 1 लाख 5 हजार करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास, उद्धघाटन एवं लोकार्पण

शाहपुरा में वर्चुअल कार्यक्रम के तहत लाइव प्रसारण, 291 चयनितो को नियुक्ति पत्र वितरित

● अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को पचपदरा जिला बालोतरा राजस्थान में 1 लाख 5 हजार करोड़ की लागत के विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्धघाटन एवं लोकार्पण एवं रोजगार मेला समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान रिफाइनरी का राष्ट को समर्पण, यमुना जल परियोजना, जयपुर मेट्रो फेज-2, ऊर्जा, सड़क, नागरिक उड्डयन एवं रेलवे की विकास परियोजना सहित सरकारी नौकरी में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान पंचायत समिति शाहपुरा में वर्चुअल कार्यक्रम एवं रोजगार मेले का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, शाहपुरा विधायक प्रत्याशी उपेन यादव, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार रणधीर सिंह, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता मंजू सैनी, पंचायत समिति शाहपुरा प्रधान पिस्ता देवी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शामिल होकर प्रधानमंत्री द्वारा राजस्थान के विकास कार्यों के शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण का लाइव प्रसारण देखा तथा इस दौरान क्षेत्र से सरकारी नौकरी में चयनित 291 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर सांसद राव राजेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार में सभी क्षेत्र व वर्ग के लोगों की उन्नति व विकास का अनुपात लगातार बढ़ रहा है, आज हमारा भारत देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में आत्म निर्भर हो रहा है जिससे भारत विकसित, राजस्थान विकसित का सपना साकार होता दिख रहा है जिसका हम सभी को बहुत गर्व है। इस दौरान पंचायत समिति परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सांसद राव राजेंद्र सिंह सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियो ने प्रधानमंत्री मोदी के एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर शाहपुरा उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार खेदर, नानूलाल यादव तहसीलदार, राकेश कुमार बीडीओ, शुभम कुमार गुप्ता आयुक्त, पवन कुमार जाट एबीइओ की उपस्थिति में बेहतरीन कार्यक्रम व्यवस्था के साथ शाहपुरा थानाधिकारी रिया चौधरी के नेतृत्व में सुव्यवस्थित सुरक्षा व यातायात व्यवस्था देखने को मिली। इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष व ग्राम पंचायत खोरी जीएसएस अध्यक्ष रवीश खटाणा, बीएसएनल सलाहकार संतोष माधाणी, नगर परिषद शाहपुरा पूर्व सभापति बंशीधर सैनी, भाजपा शाहपुरा शहर मंडल अध्यक्ष मालीराम सैनी, मनोहरपुर मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव, अमरसर मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत शर्मा, शाहपुरा देहात मंडल अध्यक्ष कैलाश रोलानियां, महामंत्री राजेश पलसानियां, उपाध्यक्ष राकेश दाधीच, पूर्व पार्षद कानाराम योगी, पूर्व पार्षद पुनीत भगेरिया, महेश ढबास सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ई-मित्र संचालक संघ ने रिफाइनरी उद्घाटन कार्यक्रम की वेबकास्टिंग के बहिष्कार का किया ऐलान

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। ग्राम पंचायत ई-मित्र संचालक संघ समिति, राजस्थान ने प्रदेशभर में 4 जुलाई को प्रस्तावित रिफाइनरी उद्घाटन कार्यक्रम की वेबकास्टिंग एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का पूर्ण बहिष्कार करने की घोषणा की है।

प्रदेश अध्यक्ष मानसिंह जी राठौड़ ने बताया कि ग्राम पंचायतों में कार्यरत ई-मित्र संचालकों से वर्षों से विभिन्न शासकीय कार्य कराए जा रहे हैं, जबकि विभाग द्वारा ई-मित्र प्लस मशीन ऑपरेटर के रूप में किसी की विधिवत नियुक्ति नहीं की गई है। इसके बावजूद ई-मित्र संचालकों को वेबकास्टिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सहित अन्य कार्यों के लिए पाबंद किया जाता है, जबकि उन्हें किसी प्रकार का मानदेय, वेतन या सेवा शुल्क नहीं दिया जाता।

उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा कई बार विभाग और राज्य सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखी गईं, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। इसी के विरोध में प्रदेश कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से 4 जुलाई के कार्यक्रम की वेबकास्टिंग का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

संगठन ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के सभी ग्राम पंचायत ई-मित्र संचालक संगठन के निर्णय का पालन करेंगे तथा कोई भी संचालक संगठन के निर्णय के विरुद्ध जाकर वेबकास्टिंग या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सहयोग नहीं करेगा। यदि कोई सदस्य संगठन के निर्णय की अवहेलना करता है, तो उसके विरुद्ध संगठन के नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

संगठन ने राज्य सरकार से ई-मित्र संचालकों की लंबित मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग करते हुए कहा कि मांगों का समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बाड़मेर से जोधपुर तक निकाली पदयात्रा में शामिल

दीपचंद शर्मा। बाड़मेर, वर्ष 2014, 2015, 2016 में रिफाइनरी का काम बन्द करने के विरोध में बाड़मेर से जोधपुर तक निकाली गई पदयात्रा एवं धरना प्रदर्शनों में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी की तस्वीर ।

बेंगलुरु डे-केयर मामला, पैरेंट्स बोले- बच्चों में डर फैला

वॉशरूम जाने से डरते हैं, केयरटेयर की आवाज सुनकर कांप जाते थे

बेंगलुरु। बेंगलुरु के डे-केयर सेंटर में बच्चों से बदसलूकी मामले में नया खुलासा हुआ है। वायरल वीडियो में जिस बच्ची के साथ बेहरमी की गई। पुलिस ने उसके पैरेंट्स से पूछताछ की। मां ने बताया कि उनकी बेटी के मन में डर बैठ गया। वह बाथरूम जाने से मना करती, रोने लगती और वहां से भाग जाती थी। बच्ची में यह बदलाव डे-केयर सेंटर में डालने के दो महीने बाद ही दिखने लगा था। वहीं एक तीन साल के बच्चे के माता-पिता ने बताया कि उनके बेटे के व्यवहार में भी बदलाव दिखा। वह डे-केयर में कुछ केयरगिवर्स की आवाज सुनकर कांप और सहम जाता था। दरअसल 1 जुलाई को बेंगलुरु की आईटी कंपनी कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस स्थित डे-केयर सेंटर का वीडियो सामने आया था। जिसमें बच्चों को टॉयलेट में बंद कर दिया गया था। चेहरे पर जेट स्प्रे से पानी डाला गया और वॉशिंग मशीन में बिठाया गया था। मामले में पुलिस ने पहले पांच महिला केयरगिवर्स के खिलाफ केस दर्ज किया था। एक को अरेस्ट कर लिया है।

डे-केयर केस से जुडे 3 बडे अपडेट्स

पुलिस ने 55 साल की विजयलक्ष्मी को गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। चार अन्य केयरगिवर्स से पूछताछ जारी है। जांच में सामने आया कि केयरगिवर्स को सिर्फ ड8,000 महीने वेतन मिलता था, जबकि श्रम विभाग के नियमों के अनुसार यह कम से कम 25,000 होना चाहिए। अब श्रम विभाग भी मामले की जांच कर रहा है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कम वेतन की वजह से कर्मचारियों में तनाव था या नहीं। डे-केयर में आने वाले बच्चे कैंपस में काम करने वाले प्रोफेशनल्स के हैं, जिन्हें उनके माता-पिता ड्यूटी के दौरान यहां छोड़ते थे।

कंपनी ने डे-केयर सेंटर बंद किया

कैपजेमिनी ने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंपनी जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। एहतियात के तौर पर बेंगलुरु स्थित ऑन-कैंपस डे-केयर सेंटर को फिलहाल अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। कैपजेमिनी दुनिया की बड़ी ढ्ढ कंपनियों में शामिल है। इसका हेडक्वॉर्टर फ्रांस की राजधानी पेरिस में है। कंपनी सॉफ्टवेयर, क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , साइबर सिक्योरिटी और कंसल्टिंग से जुड़ी सेवाएं देती है। इसके ऑफिस 50 से ज्यादा देशों में है। भारत में इसके 8 शहरों में ऑफिस हैं, जहां करीब 2.3 लाख कर्मचारी काम करते हैं। डे-केयर सेंटर वह जगह होती है, जहां छोटे बच्चों की दिनभर देखभाल, सुरक्षा और शुरुआती सीखने की गतिविधियों का ध्यान रखा जाता है। बड़े शहरों में माता-पिता दोनों की नौकरी पेशा हैं तो ऐसे में कपल अपने बच्चों को इन डे-केयर में तय समय के लिए छोड़ देते हैं, यहां बच्चों की देखभाल की है। इसके बदले में हर महीने तय फीस ली जाती है।

राजापार्क के वन-वे सिस्टम से व्यापारियों में गुस्सा

पार्किंग और ट्रैफिक अव्यवस्था पर भड़के दुकानदार, बोले- 50 फीसदी तक घटा कारोबार

जयपुर। जयपुर के राजापार्क क्षेत्र में लागू वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर व्यापारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि वन-वे सिस्टम लागू होने के बाद उनका व्यापार करीब 50 प्रतिशत तक प्रभावित हुआ है। उनका आरोप है कि पार्किंग की कमी, अतिक्रमण और कमजोर ट्रैफिक प्रबंधन के कारण ग्राहकों की आवाजाही घट गई है। व्यापारियों ने प्रशासन से व्यवस्था की समीक्षा कर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की है। इस व्यवस्था से ट्रैफिक जाम की समस्या खत्म होने के बजाय बाजार का कारोबार लगातार गिर रहा है। व्यापारियों का कहना है कि राजापार्क फैशन, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य रिटेल कारोबार का बड़ा बाजार है, जहां शहर के अलग-अलग इलाकों से लोग खरीदारी के लिए आते हैं। लेकिन अब वन-वे सिस्टम के कारण ग्राहकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग बाजार आने से बच रहे हैं। इसका सीधा असर दुकानदारों की आय पर पड़ रहा है। यातायात पुलिस ने राजापार्क में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए वन-वे सिस्टम लागू किया था। इसके तहत गोविंद मार्ग पर परनामी मंदिर चौराहे से ध्रुव मार्ग तक वाहनों की आवाजाही एक दिशा में कर दी गई। वहीं विद्यालय मार्ग पर भी प्रवेश केवल गोविंद मार्ग की ओर रखा गया है। इसके अलावा रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों और सफेद पट्टी के बाहर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ लगातार चालान और नो-पार्किंग की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से ट्रैफिक में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ, बल्कि ग्राहकों की संख्या जरूर कम हो गई। व्यापारियों का कहना है कि पंचवटी सर्किल से परनामी चौराहे की ओर से जाने वाले मार्ग पर प्रतिबंध होने के कारण तिलक नगर, जवाहर नगर, आदर्श नगर सहित आसपास के इलाकों से आने वाले ग्राहकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। कई लोग इसी वजह से राजापार्क आने के बजाय दूसरे बाजारों का रुख कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने लाखों रुपए निवेश कर बड़ी-बड़ी दुकानें ली हैं और हर महीने भारी किराया दे रहे हैं, लेकिन ग्राहकों की संख्या लगातार कम होने से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

राजस्थान को पीएम मोदी की 1.06 लाख करोड़ की सौगात, अपरा काशी गोविन्द की नगरी हवामहल विधानसभा में 1500 लोगों ने वर्चुअल देखा लाइव।

हवामहल-जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान दौरे में 1.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

मुख्य सौगातें: बालोतरा के पचपदरा में 79,450 करोड़ की रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर, जयपुर में 13,000 करोड़ से अधिक की मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास और जोधपुर में 480 करोड़ के नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन किया। साथ ही बीकानेर की 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना और 54,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। अपरा काशी गोविन्द की नगरी हवामहल में दिखा उत्साह प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से देखने के लिए अपरा काशी गोविन्द की नगरी हवामहल विधानसभा के जलेबी चौक पर विशेष आयोजन हुआ। स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज, विधायक हवामहल के सानिध्य में विशाल स्ब्लष्ठ स्क्रीन पर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। विधायक स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज ने कहा कि माननीय प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भजन लाल शर्मा साहब मुख्यमंत्री भाजपा सुशासन की सरकार में जो कहा वो किया। ये तो सिर्फ ढाई साल में अधिकाधिक कार्यों को पूरा किया गया है। चाहे यमुना जल समझौता हो, युवाओं को रोजगार हो, अनगिनत कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी से मारवाड़ के युवाओं का भविष्य बदलेगा और जयपुर मेट्रो फेज-2 से राजधानी की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। डबल इंजन सरकार में प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसे ही पीएम मोदी ने परियोजनाओं की घोषणा की, जलेबी चौक मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के बाद सभी ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। इस अवसर पर हवामहल विधानसभा क्षेत्र के तीनों मंडल अध्यक्ष, पार्षद, मंडल पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, एसटी मोर्चा, एससी मोर्चा, समस्त भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया देश की पहली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी का लोकार्पण, बूंदी में 1084 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

पचपदरा रिफाइनरी और विकास कार्यों के उद्घाटन का बूंदी में हुआ सीधा प्रसारण

राज्य सरकार ने सुरक्षित किया युवाओं का भविष्यः हीरालाल नागर

बूंदी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बालोतरा के पचपदरा से देश की प्रथम ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित की। इसके साथ ही, जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन और चूरू-सादुलपुर व चूरू-रतनगढ़ रेल दोहरीकरण परियोजना तथा करवड़ से डांगियावास फोर-लेन सड़क का भी लोकार्पण किया। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बूंदी भी बना, नगर परिषद के टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय रोजगार उत्सव में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जिले के 1084 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र और वेलकम किट सौंपे और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राजकीय सेवा में चयन युवाओं के नए जीवन की शुरुआत है। यह क्षण उनके परिवार और समाज के लिए अत्यंत सुखद है। उन्होंने नव-चयनित युवाओं का आह्वान किया कि वे ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के संकल्प के साथ भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करें और अपने कार्यक्षेत्र में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को अपनाएं।

राज्यमंत्री ने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह सजग है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में अब तक सवा लाख भर्तियों के माध्यम से युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जा चुका है।

आज शनिवार को पूरे प्रदेश में 50 हजार से अधिक युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। साथ ही, राजकीय सेवाओं की भर्तियों का कैलेंडर भी जारी कर दिया गया हैं।

रिफाइनरी से बदलेगी राजस्थान की तस्वीर

पचपदरा रिफाइनरी का महत्व बताते हुए जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि इसके शुभारंभ से राजस्थान की तस्वीर बदल जाएगी। राज्य के राजस्व में वृद्धि के साथ-साथ नए उद्योग स्थापित होंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अपार अवसर सृजित होंगे। यह रिफाइनरी विकसित राजस्थान की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब गांव और प्रदेश विकसित होंगे, तभी भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नवनेरा परियोजना से बूंदी सहित प्रदेश के 17 जिलों के किसानों और आमजन को पेयजल व सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। इसके अलावा, यमुना जल समझौता 3 जिलों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। किसानों को बिजली आपूर्ति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन में सिंचाई के लिए बिजली मुहैया करवाई जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक पूरे प्रदेश के किसानों को दिन में सुचारू और गुणवत्तायुक्त बिजली उपलब्ध करवाई जाए, जिसके लिए समुचित प्रबंध किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव, जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, नुपुर मालव, योगेन्द्र श्रृंगी, पूर्व नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, पूर्व प्रधान नैनवां पदम नागर, तालेडा के पूर्व प्रधान राजेश रायपुरिया, निर्मल मालव, पूर्व जिलाध्यक्ष कुंज बिहारी बील्या, कालूलाल जांगिड, शौकीनचंद राठौर, सुरेश अग्रवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर एचडी सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग) रमेश देव, उपखंड अधिकारी बूंदी लक्ष्मीकांत मीणा, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में नवनियुक्त कार्मिक व उनके परिजन मौजूद रहे। जिन्होंने लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना। मंच संचालन लोकेश वशिष्ठ ने किया।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत डीग जिले के 592 नवनियुक्त युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म और विधायक डॉ. शैलेश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ जिला स्तरीय मुख्य समारोह; पचपदरा से माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण

दीपचंद शर्मा। डीग। राज्य सरकार की मंशानुरूप युवाओं को सरकारी सेवा से जोड़ने और उन्हें संबल प्रदान करने के उद्देश्य से शनिवार को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन किशन लाल जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डीग के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिले के 592 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, प्रभारी सचिव डीग एवं संभागीय आयुक्त भरतपुर नलिनी कठोतिया तथा जिला कलेक्टर मयंक मनीष द्वारा समारोहपूर्वक नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों और नवनियुक्त कार्मिकों ने बालोतरा के पचपदरा में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य समारोह और रिफाइनरी लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा लाइव टेलीकास्ट देखा व सुना। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज सेवा में आ रहे युवाओं का चयन पूरी तरह से उनकी मेहनत के बल पर हुआ है। पिछली सरकारों में पेपर लीक से नौजवान और उनके माता-पिता परेशान थे, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस कुप्रथा को समाप्त कर यह सुनिश्चित किया है कि जो मेहनत करेगा, वही नौकरी पाएगा। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश भर में एक साथ 53977 युवाओं को नौकरियां दी जा रही हैं, जो युवाओं

के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों को जीवन में इस मुकाम तक पहुँचाने के लिए अपने माता-पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की बात कही। उन्होंने प्रदेश के आर्थिक और बुनियादी विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि भजनलाल सरकार विकसित राजस्थान के निर्माण में जुटी है, जिससे राज्य की तस्वीर बदली है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित पचपदरा रिफाइनरी राजस्थान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित होगी, जिससे राज्य को अभूतपूर्व आर्थिक लाभ होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन रिफाइनरी का कार्य अटका रहा; इसे वास्तविक संजीवनी देने का कार्य देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक के व्यक्तिगत विकास, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसानों और आमजन के हित में चलाई जा रही योजनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली किसान सम्मान निधि की 6000 रुपये की राशि में राज्य सरकार ने 3000 रुपये की अतिरिक्त वृद्धि की है, जिससे अब राजस्थान के किसानों को 9000 रुपये वार्षिक मिल रहे हैं। आगामी 5 वर्षों में इस राशि को बढ़ाकर 12,000 रुपये तक ले जाया जाएगा। किसानों को समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। महिलाओं के स्वावलंबन के लिए लखपति दीदी योजना के तहत लाखों रुपये का ऋण बेहद सस्ती दरों पर मिल रहा है, वहीं पीएम स्वनिधि योजना के तहत बिना गारंटी लोन दिया जा रहा है। आयुष्मान योजना के तहत देश में कहीं भी 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज और राज्य सरकार द्वारा इसे बढ़ाकर 25 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डीग जिले में सड़कें, नहरें, अस्पताल, स्कूल, थाने और कॉलेज निर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में जनता तक पानी पहुँचाने के नाम पर जो भ्रष्टाचार हुआ और पैसे खाए गए, ऐसे दोषियों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जेल के पीछे भेजने का काम किया है। विशिष्ट अतिथि डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि सरकारी सेवा में प्रवेश के साथ ही आपके कंधों पर समाज, राष्ट्र और अपने परिवार के कल्याण की एक बड़ी जिम्मेदारी आई है, जिसका निर्वहन पूरी निष्ठा और सफलता के साथ करें। उन्होंने पचपदरा रिफाइनरी और संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को पूरे देश का सबसे बड़ा और युगांतरकारी प्रोजेक्ट बताया, जिससे पूरे क्षेत्र में रोजगार और खुशहाली का नया सवेरा आएगा। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शेखावाटी सहित पानी की कमी वाले क्षेत्रों की दशकों पुरानी मांग पूरी हो रही है। स्थानीय विकास कार्यों की जानकारी देते हुए डॉ. शैलेश सिंह ने बताया कि डीग जिला चिकित्सालय तथा डीग बाईपास निर्माण के वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं।

पूँछरी का लौठा में क्षेत्र विकास के लिए 700 से 800 करोड़ रुपये की लागत से भव्य कार्य चल रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उन्होंने गुड़गांव फीडर, होम्स फीडर और भरतपुर फीडर के लिए 375 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कराने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया, जिससे जिले के 85त्न गांवों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलना सुनिश्चित होगा। इस दौरान मंच संचालन वरिष्ठ सहायक उमेश चंद प्रजापति द्वारा किया गया।

वैभव सूर्यवंशी ने इंटरनेशनल डेब्यू के संकेत दिए

इंस्टा स्टोरी में न्यू चैप्टर लिखा; आज भारत और इंग्लैंड में दूसरा टी-20 मैच

मैनचेस्टर। वैभव सूर्यवंशी ने टीम इंडिया से इंटरनेशनल डेब्यू के संकेत दिए हैं। उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें अपने फोटो के साथ 'New Chapter' लिखा। वैभव के इस पोस्ट के बाद इंटरनेशनल डेब्यू के कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि, टीम मैनेजमेंट ने उनके डेब्यू पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 7 बजे मैनचेस्टर में खेला जाएगा।

गेंदबाजी कोच बोले- टीम ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहती

भारत के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्कल ने एक दिन पहले कहा, 'दूसरे मुकाबले से टीम ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहती। अभिषेक शर्मा टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। संजू सैमसन टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। हमें कोचिंग स्टाफ के तौर पर खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाना जरूरी है।'

वैभव को डेब्यू नहीं कराने पर पूर्व क्रिकेटर भड़के

वैभव इस समय भारतीय टीम के साथ आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर हैं। आयरलैंड के खिलाफ उनके डेब्यू की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आयरलैंड में भारतीय टीम सीरीज हार गई। ओपनर अभिषेक और संजू खास प्रदर्शन नहीं कर सके। इससे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में वैभव के डेब्यू की उम्मीद फिर ब? गई। लेकिन, उन्हें चांस नहीं मिला। इस पर सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने नाराजगी जताई थी।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंद

गुजरात में बाढ़, 19 लोगों का रेस्क्यू; उज्जैन में युवक बहा, जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, रोड बंद

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में शुक्रवार को तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में GSVM मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गईं। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई।

40 दिन में घटकर 4 फीट के हुए बाबा बर्फानी

अमरनाथ यात्रा का आज दूसरा दिन, 23 मई को जारी पहली तस्वीर में आकार 7 फीट था

पहलगाम/बालटाल। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार 4 फीट रह गया है। 23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को प्रथम पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 3 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 4 फीट का दिखाई दे रहा है। इसकी चौड़ाई भी घट गई है। यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। पहले दिन 12 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में दर्शन किए हैं। दूसरा जत्था आज पहुंचेगा, जबकि तीसरा जत्था भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हो गया है। अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। शिवलिंग इसलिए तेजी से घट रहा है क्योंकि गुफा में बढ़ती मानवीय और प्राकृतिक गतिविधियों से मौसम गर्म हो रहा है। ऊपर से टपकने वाला पानी पहले की तरह जम नहीं पा रहा है। इधर, यात्रा के पहले दिन यात्रियों के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने एक पत्र लिखा है, जो शुक्रवार को यात्रियों को भी दिया गया। इसमें तीर्थयात्रा को महान सौभाग्य बताते हुए तीर्थयात्रियों से 5 संकल्प लेने को अपील की गई है। जम्मू प्रशासन ने कहा है कि रजिस्टर्ड तारीख से पहले पहुंचने वाले यात्रियों को यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी। बिना रजिस्ट्रेशन आने वाले यात्रियों को तत्काल सुविधा देना संभव नहीं है। अमरनाथ यात्रा दो रास्तों से की जाती है। पारंपरिक रास्ता 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम से है। दूसरा रास्ता गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल से है। यात्रा 28 अगस्त को खत्म होगी।

मेट्रो फेज शिलान्यास कार्यक्रम में वसुंधरा-राजे ने बांटे नियुक्ति पत्रः कहा- जब भी राजस्थान ने कोई सपना देखा, मोदी जी ने उसे साकार किया

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जयपुर मेट्रो के 41 किलोमीटर लंबे सेकेंड फेज का शिलान्यास किया। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने एसएमएस स्टेडियम इंडोर हॉल में जयपुर मेट्रो द्वितीय फेज़ के वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार का दिन राजस्थान के लिए सौगात दिवस बना दिया। जब भी राजस्थान ने कोई सपना देखा,मोदी जी ने साकार किया। राजे ने कहा कि मोदी जी ने 16 जनवरी,2018 को रिफाइनरी की नीव रखी और उन्होंने ही इसका उद्घाटन किया। उनके नेतृत्व में 3 जून,2015 को जयपुर की पहली मेट्रो शुरू हुई।उन्होंने ही मेट्रो फेज- 2 की नीव रखकर 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' की कल्पना को आगे बढ़ाया।इससे मोदी जी के 'न्यू इंडिया' मिशन को पंख लगेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को बधाई दी। राजे का यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा,सांसद मंजू शर्मा,विधायक काली चरण सराफ,गोपाल शर्मा,मेट्रो के चेयरमैन वैभव गालरिया और जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने स्वागत किया।

पीएम ने ज्योंही वसुन्धरा का नाम लिया, तालियों से पूरा पांडाल गूंज उठा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ज्यों ही पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन में पूर्व सीएम श्रीमती वसुन्धरा राजे का नाम लिया,तालियों की आवाज से पूरा पांडाल गूंज उठा। यहां तक कि जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में भी खूब तालियां बजी। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान के लोगों को भी लगता था कि पता नहीं गुजरात राजस्थान को पानी देगा या नहीं। लेकिन हमारा सौभाग्य था कि राजस्थान में भी बीजेपी की सरकार। गुजरात में भी बीजेपी की सरकार। उस समय मैं गुजरात में मुख्यमंत्री था।यहां बहन वसुन्धरा जी मुख्यमंत्री थीं और हम दोनों ने मिलकर बिना कोई संघर्ष,बिना कोई वाद-विवाद,बिना कोई आंदोलन,बिना कोई लड़ाई गुजरात से नर्मदा का पानी राजस्थान के साथ साझा किया।

जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास करते पीएम मोदी

प्रहलादपुरा से सीकर रोड टोडी तक प्रस्तावित इस कॉरिडोर पर 13 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रोजेक्ट को साढ़े पांच साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पूरे काम को 5 जोन में बांटा गया है। इस रूट की पहली डीपीआर साल 2011 में कांग्रेस सरकार के दौरान तैयार की गई थी। इसके बाद 15 साल में कांग्रेस और भाजपा सरकारों के कार्यकाल में 5 बार बदलाव हुए। इसमें 12 करोड़ रुपए खर्च हुए। डेढ़ साल पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने परियोजना को मंजूरी दी।

पहला हिस्सा 12 किमी का, दूसरा अंडरग्राउंड होगा

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार 41 किमी लंबे कॉरिडोर में कुल 36 स्टेशन बनाए जाएंगे। पहले जोन में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक 12 किमी हिस्से का काम शुरू हो चुका है। इस पर 918 करोड़ रुपए खर्च होंगे। दूसरे जोन में पिंजरापोल गोशाला से जवाहर सर्किल रोड एयरपोर्ट तक 3 किमी लंबा कॉरिडोर बनेगा। यह पूरा हिस्सा अंडरग्राउंड होगा और दो स्टेशन प्रस्तावित हैं। इस खंड पर करीब 1160 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका टेंडर जारी हो चुका है, जो 22 जुलाई को खोला जाएगा। शेष तीन जोन के लिए भी जल्द वर्क ऑर्डर जारी किए जाएंगे।

खासाकोठी बनेगा नया इंटरचेंज हब

फेज-1 में भी बदलाव किया गया है। बड़ी चौपड़ से मानसरोवर के बीच संचालित मेट्रो लाइन पर खासाकोठी में नया स्टेशन बनेगा। इससे फेज-1 में स्टेशनों की संख्या 11 से बढ़कर 12 हो जाएगी। खासाकोठी पर ही फेज-2 का स्टेशन भी विकसित होगा। दोनों स्टेशन 150 मीटर लंबे फुट ओवरब्रिज से जोड़े जाएंगे। इससे यात्रियों को इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी।

एथेनॉल के विरोध पर सरकार बोली- यह जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस

इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई, टॉप एजेंसियां भी टेस्ट कर चुकीं

नई दिल्ली। पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच शनिवार को सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकीं हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5त्न एथेनॉल मिलाया जा रहा था। अब इस प्रोग्राम के तहत पेट्रोल में 20त्न एथेनॉल ब्लेंडिंग (E20) की जा रही है। 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग के टारगेट को तय समय से पांच साल पहले यानी दिसंबर 2025 तक ही पूरा कर लिया गया है।

भारत में क्यों हो रहा है ई20 पेट्रोल का विरोध?

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण यानी ई20-पेट्रोल का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं। हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि एथेनॉल से माइलेज में मामूली कमी जरूर आती है, लेकिन इससे गाड़ी का पिकअप और इंजन परफॉर्मेंस बेहतर होता है।

टॉप एजेंसियां इसकी टेस्टिंग कर चुकीं

एक्सपर्ट शुक्ला ने बताया कि विशेष रूप से साल 2018 में एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को एक स्ट्रक्चर्ड यानी व्यवस्थित तरीके से सभी स्टेकहोल्डर्स के सामने चर्चा और विचार-विमर्श के लिए रखा गया था। यह पूरा प्रोग्राम साइंटिफिक एविडेंस पर बेस्ड है। एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स और उन्हें सपोर्ट करने वाली मुख्य एजेंसियों का पूरा सपोर्ट है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और सियाम जैसी टॉप एजेंसियां इसकी बड़े लेवल पर टेस्टिंग कर चुकी हैं। वर्तिका शुक्ला के अनुसार, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का यह प्रोग्राम दुनिया भर में अपनाई जाने वाली ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस के बिल्कुल अनुरूप है। इसके जरिए फॉसिल फ्यूल यानी जीवाश्म ईंधन को ग्रीन बनाया जा रहा है, ताकि पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम किया जा सके।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने लाखों लोग पहुंचेः खून बहेगा, बदला-बदला के नारे लगाए; ट्रम्प बोले- ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी

तेहरान। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए। तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने मानवता के नाते ऐसा किया है। कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद ईरान को अमेरिकी शर्तें माननी होंगी। खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरुआत- ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई का ताबूत तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मुसल्ला पहुंचाया गया। यहां उनके अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। अली खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, बेटी, पत्नी और दामाद को भी अंतिम श्रद्धांजलि दी गई।

अंतिम संस्कार के लिए तेहरान में कड़ी सुरक्षा

खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर तेहरान की सड़कों पर सेना और पुलिस की भारी तैनाती की गई है। सभी मुख्य सड़कों, चौराहों और सरकारी इमारतों के बाहर सेना और पुलिस बल तैनात है। मेन रोड्स पर मिलिट्री गाड़ियां पहरा दे रही हैं।

आम लोगों के लिए खास इंतजाम

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल आम लोगों के लिए तेहरान में मेट्रो और सरकारी बसें मुफ्त रहीं। साथ ही होटल किराए में 50त्न की छूट और स्कूलों-मस्जिदों में ठहरने की व्यवस्था की गई। दूसरे शहरों से लोगों को लाने के लिए स्पेशल ट्रेनें भी चलाई गईं।

खामेनेई की अंतिम यात्रा 5 शहरों से गुजरेगी

अली खामेनेई की अंतिम यात्रा पहले ईरान के तेहरान, कोम से इराक के कर्बला, नजफ से होकर गुजरेगी। आखिर में 9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता फिर शुरू होगी

कतर ने बताया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर फिर शुरू होगा। वहीं ईरान ने IAEA को फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

ईरानी खुफिया मंत्रालय बोला- खामेनेई की मौत का बदला लेंगे

ईरान के खुफिया मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हमलों में मारे गए खामेनेई और दूसरे लोगों की मौत का बदला लिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि हमारे जख्म तब तक नहीं भरेंगे जब तक हत्या के जिम्मेदार लोगों से बदला नहीं लिया जाता।

चार महीने की देरी क्यों हुई?

जब खामेनेई की मौत हुई, तब ईरान-अमेरिका युद्ध चल रहा था। ईरान के कई हिस्सों में लगातार बमबारी हो रही थी। ऐसे में शव यात्रा के दौरान लाखों लोगों की जान को खतरा हो सकता था।

खामेनई का अंतिम संस्कार या फिर शक्ति प्रदर्शन?

3 से 9 जुलाई तक चलने वाला अंतिम संस्कार सिर्फ एक शोक सभा नहीं, बल्कि ईरान का एक शक्ति प्रदर्शन भी है। इसमें करीब 2 करोड़ लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसमें 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि पहुंचे हैं।

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट का कहना है कि सड़कों पर लाखों-करोड़ों लोगों की भीड़ जुटाकर ईरान दुनिया को संदेश दे रहा है कि उसकी शासन व्यवस्था और इस्लामिक क्रांति आज भी पूरी तरह मजबूत है।

संस्कार के लिए मुहर्रम का महीना क्यों चुना गया

शिया इस्लाम में यह महीना शोक और शहादत से गहराई से जुड़ा है। 7वीं सदी में इमाम हुसैन की शहादत इसी महीने में हुई थी, जो शिया धर्म में बेहद अहम दर्जा रखते हैं। खामेनेई का वंश उनसे जुड़ा माना जाता है।

खामेनेई का पार्थिव शरीर कैसे रखा गया?

खामेनेई के पार्थिव शरीर को फोरेंसिक मॉर्चरी के रेफ्रिजरेटेड कोल्ड स्टोरेज में रखा गया। इस्लाम में रासायनिक तरीके से शव संरक्षित करने की अनुमति नहीं है। इसलिए अधिकारियों ने केवल कम तापमान के जरिए पार्थिव शरीर को सुरक्षित रखा। शिया इस्लामी परंपरा में युद्ध जैसी असाधारण परिस्थितियों में दफन में देरी और ठंडे तापमान में पार्थिव शरीर सुरक्षित रखने की अनुमति दी जा सकती है। इसी आधार पर धार्मिक मंजूरी ली गई। उनके साथ उसी हमले में मारे गए परिवार के अन्य सदस्यों के पार्थिव शरीर भी वहीं सुरक्षित रखे गए थे।

खामेनेई की अंतिम यात्रा इन 5 शहरों से गुजरेगी, हर पड़ाव का खास महत्व

तेहरान: सत्ता का केंद्र अंतिम दर्शन की शुरुआत तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला से होगी। यहां बड़े धार्मिक कार्यक्रम, सरकारी समारोह और शुक्रवार की नमाज होती है। तेहरान में सत्ता के सारे बड़े केंद्र, जैसे- राष्ट्रपति भवन, संसद, न्यायपालिका और सेना के मुख्यालय हैं।

कोम: शिया धर्म की पढ़ाई का सबसे बड़ा केंद्र कोम ईरान का सबसे बड़ा धार्मिक शिक्षा केंद्र है। यहां शिया धर्म के बड़े-बड़े मदरसे हैं, जहां से कई बड़े धर्मगुरु निकले हैं। यहां मौजूद फातिमा मासूमा की दरगाह भी शिया मुसलमानों के सबसे पवित्र स्थलों में गिनी जाती है। खामेनेई की यात्रा यहां से गुजरना उनके धार्मिक नेतृत्व का सम्मान माना जा रहा है।

करबला: शहादत का प्रतीक इराक का करबला शहर शिया मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र स्थानों में से एक है। यहां इमाम हुसैन की दरगाह है। इमाम हुसैन की शहादत शिया इतिहास की सबसे बड़ी घटना मानी जाती है। इसलिए करबला में होने वाला कार्यक्रम खामेनेई के बलिदान, संघर्ष और धैर्य का संदेश देगा।

नजफः शिया धर्म का बड़ा केंद्र

इराक का नजफ शहर इमाम अली की दरगाह के लिए फेमस है। यह दुनिया में शिया धर्म की पढ़ाई और धर्मगुरुओं का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। यहां अंतिम श्रद्धांजलि देने का मकसद यह दिखाना है कि खामेनेई का प्रभाव सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी शिया दुनिया में था।

मशहद: अंतिम संस्कार यहीं होगा अंतिम पड़ाव ईरान का सबसे पवित्र शहर मशहद होगा। यहां इमाम रजा की दरगाह है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। खामेनेई का जन्म भी मशहद में हुआ था और उनका बचपन यहीं बीता। इसलिए उन्हें इसी शहर में दफनाया जाएगा।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में लहराए लाल झंडे

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल लोगों के हाथों में लाल झंडे भी दिखाई दिए, जिन्हें बदले का प्रतीक माना जाता है। तेहरान यूनिवर्सिटी के रिसर्च फेलो मोहम्मद इस्लामी ने अल जजीरा से कहा कि ये लाल झंडे खामेनेई के समर्थकों की ओर से बदले की मांग का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, वे ईरानी सरकार से उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जिन्होंने उनके सुप्रीम लीडर की हत्या की।

अंतिम संस्कार के चलते ईरान ने अमेरिका से बातचीत रोकी

अंतिम संस्कार के चलते ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत फिलहाल रोक दी है। वहीं ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अंतिम संस्कार के दौरान किसी भी तरह हमले की कार्रवाई से बचें। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, हमने ईरान को अंतिम संस्कार के लिए एक हफ्ते की छुट्टी दी है, क्योंकि हम अच्छे लोग हैं। वे समझौता करने के लिए बेताब हैं।

पीएम बोले- भारत सबसे बडे ऊर्जा संकट से उबरा

2 हजार तक पहुंच सकती थी घरेलू सिलेंडर की कीमत, राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन किया

बालोतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- पश्चिमी एशिया में हुए युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हो गया था। इस दौरान भारत की दृड शक्ति के कारण सबसे बड़ा संकट भी छोटा हो गया। भारत ने अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल किया। युद्ध के कारण जो हालात पैदा हुए, उसके कारण घरेलू गैस के दाम 2 हजार रुपए तक जा सकते थे। सरकार ने इसको लेकर बेहतर मैनजमेंट किया। इसी का परिणाम है, सिलेंडर 950 रुपए के करीब मिल रहा है। पीएम आज (शनिवार) राजस्थान के दौरे पर रहे। दोपहर करीब 12 बजे वह बालोतरा के पचपदरा पहुंचे। यहां देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी के कंट्रोल रूम को देखा और एक्सपट्डर्स से बात की। इसके बाद रिफाइनरी का उद्घाटन किया। जयपुर मेट्रो के फेज-2 की आधारशिला (वर्चुअल) भी रखी। इससे पहले शनिवार सुबह करीब 10-40 बजे जोधपुर पहुंचे। यहां उन्होंने एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। नए टर्मिनल को देखा। उडान-2.0 की शुरुआत भी यहीं से की।

'युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा'

अप्रैल से जून के बीच पेट्रोल-डीजल से ही कंपनियों को 75 हजार करोड़ रुपए का घाटा हुआ। ये इतना बड़ा था कि एक नई रिफाइनरी बन जाए। ये घाटा सरकारी खजाने से भरा गया। युद्ध के समय भारत की दूसरे देशों से दोस्ती बहुत काम आई। पहले जहां 25-26 देशों से ईंधन खरीदते थे, वह 40 देशों तक पहुंच गया। युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा। कांग्रेस की सरकारों ने राजस्थान के जल संकट को दूर करने के लिए ठोस काम नहीं किया। भाजपा क्षेत्रवाद और बंटवारे की सियासत नहीं करती। भाजपा राष्ट्र प्रथम की भावना पर चलती है। हमने जब गुजरात में पानी पहुंचाने की योजनाओं पर काम किया था। राजस्थान को पानी देने की बात आई थी। देश के हर कोने में कई राज्यों में पानी को लेकर लडाई चल रही थी। राजस्थान के लोगों को लग रहा था गुजरात नर्मदा का पानी देगा या नहीं। उस समय मैं गुजरात का सीएम था, यहां बहन वसुंधरा सीएम थीं। हम दोनों ने मिलकर बिना किसी विवाद, संघर्ष और लडाई के गुजरात से राजस्थान को नर्मदा का पानी साझा किया। राजस्थान के कई गांवों तक नर्मदा का पानी पहुंच रहा है।

'भाजपा जो प्रोजेक्ट शुरू करती है, पूरा करके दम लेती है'

पीएम मोदी ने कहा- गर्मी के इस मौसम में इतनी बडी संख्या में लोगों का जुटना यह दिखाता है भाजपा सरकार के प्रयासों पर आपका विश्वास कितना बुलंद है। मैं इस समर्थन के लिए राजस्थान की माटी का ऋणी हूं। आज राजस्थान की इस धरती से भारत ने विकसित होने, आत्मनिर्भर होने की दिशा में बहुत बडा कदम उठाया है। आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं का शिलान्यास करके नहीं छोडतीं। हम उनको पूरा करने में दिन-रात एक कर देते हैं।

अमेरिका 250 साल के लिए टाइम कैप्सूल दफन करेगा

408 किलो वजन, इसमें व्हेल की हड्डी से एआई की भविष्यवाणी तक; आखिर इसकी जरूरत क्यों

वॉशिंगटन डीसी। 4 जुलाई को अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के मौके पर 408 किलो का एक टाइम कैप्सूल जमीन में दफनाया जाएगा। इसे फिलाडेल्फिया के इंडिपेंडेंस नेशनल हिस्टोरिकल पार्क में दफनाया जाएगा और 250 साल बाद यानी 2276 में खोला जाएगा। इसकी जानकारी नेशनल पार्क सर्विस के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी दर्ज की गई है, ताकि 250 साल बाद आने वाली पीढ़ियां इसे ढूंढ़ सकें और इसके बारे में जान सकें। इस कैप्सूल में 50 राज्यों और आम लोगों की ओर से चुनी गई यादगार चीजें रखी गई हैं, जिसमें व्हेल की हड्डी, दुनिया के सबसे बड़े जिप्सम रेगिस्तान की रेत, राइट बंधुओं के विमान का कपड़ा, द्व की भविष्यवाणी और कई ऐतिहासिक दस्तावेज शामिल हैं। टाइम कैप्सूल बंद पेटी या कंटेनर होता है, जिसमें किसी दौर की चीजें सुरक्षित रखी जाती हैं, ताकि भविष्य की पीढ़ियां उस समय के समाज, तकनीक, संस्कृति और जीवन को समझ सकें। फिलाडेल्फिया को अमेरिका की आजादी का जन्मस्थान माना जाता है। 4 जुलाई 1776 को यहीं स्वतंत्रता घोषणा पत्र (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) को मंजूरी दी गई थी। इसी वजह से टाइम कैप्सूल को दफनाने के लिए इस शहर को चुना गया। फिलाडेल्फिया को अमेरिका की आजादी का जन्मस्थान माना जाता है। 4 जुलाई 1776 को यहीं स्वतंत्रता घोषणा पत्र (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) को मंजूरी दी गई थी। इसी वजह से टाइम कैप्सूल को दफनाने के लिए इस शहर को चुना गया।

कैप्सुल सुरक्षित रखने के लिए अपनाई गई खास तकनीकें

टाइम कैप्सूल बनाना जितना मुश्किल नहीं था, उससे बड़ी चुनौती उसे 250 साल तक सुरक्षित रखना था। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि जमीन के नीचे रखी चीजें ढाई सौ साल बाद भी सुरक्षित कैसे मिले। इस वजह से प्रोजेक्ट से जुड़े कई विशेषज्ञों को इसमें शामिल किया गया। कई साल की रिसर्च के बाद ऐसा डिजाइन तैयार किया गया, जो पानी, नमी, जंग और मौसम के असर से कैप्सूल को बचा सके। यह कैप्सूल चौकोर नहीं, बल्कि बेलन (सिलेंडर) के आकार का है। वैज्ञानिकों के अनुसार चौकोर डिब्बों के कोने समय के साथ कमजोर पड़ जाते हैं और वहीं से पानी अंदर जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है।

टाइम कैप्सूल को कैसे सील किया गया?

कैप्सूल को कार्यक्रम के दिन सील नहीं किया जाएगा। इसे पहले ही पूरी तरह सील किया जा चुका है। 4 जुलाई को इसे सिर्फ फिलाडेल्फिया में जमीन के नीचे स्थापित किया जाएगा। कैप्सूल को सील करने के लिए खास धातु इंडियम का इस्तेमाल किया गया है। यह नरम धातु ढक्कन बंद करते समय छोटी-से-छोटी दरार भर देती है। इससे कैप्सूल पूरी तरह सील रहता है और अंदर रखा सामान लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।

अगर कैप्सूल में बहुत ज्यादा नमी होती तो कागज और दूसरी वस्तुएं खराब हो सकती थीं। वहीं नमी पूरी तरह खत्म करने पर कुछ चीजें सूखकर टूट सकती थीं। इसलिए वैज्ञानिकों ने कैप्सूल के अंदर 35त्न नमी रखी है। कैप्सूल को करीब 10 फीट नीचे दफनाया जाएगा। इस गहराई पर तापमान में उतार-चढ़ाव कम होता है। तेज गर्मी, कड़ाके की ठंड और सतह पर आने वाले तूफानों का असर भी बहुत कम पड़ता है।

250 साल तक न पानी पहुंचेगा, न जंग लगेगी

वैज्ञानिकों के मुताबिक, जमीन के नीचे रखे जाने वाले किसी भी टाइम कैप्सूल का सबसे बड़ा दुश्मन पानी होता है। इसीलिए कैप्सूल के ऊपर एक और स्टील का सिलेंडर लगाया जाएगा। दोनों के बीच हवा की एक परत रहेगी, जो बाहर से आने वाले पानी को रोकने में मदद करेगी। यह ठीक उसी सिद्धांत पर काम करेगा, जैसे पानी में उल्टी बाल्टी डुबोने पर उसके अंदर हवा फंसी रहती है। अगर भविष्य में भूजल का स्तर बढ़ जाए या बाढ़ आ जाए, तब भी बेल जार के भीतर मौजूद हवा पानी को कैप्सूल तक पहुंचने से रोकेगी।

इसे बनाने वाली टीम के प्रमुख वैज्ञानिक माइकल बेरिला ने कहा, अगर इस टाइम कैप्सूल में पानी पहुंचा, तो इसका मतलब होगा कि फिलाडेल्फिया शहर करीब 6 फीट पानी में डूब चुका है। और अगर ऐसा हुआ तो टाइम कैप्सूल नहीं, बल्कि पूरी दुनिया एक बड़े प्राकृतिक संकट से जूझ रही होगी।

आखिर अमेरिका टाइम कैप्सूल क्यों दफना रहा है?

संग्रहालय की चीजों का रूप-स्वरूप समय के साथ बदल सकता है। लेकिन टाइम कैप्सूल को एक बार सील करने के बाद तय समय तक नहीं खोला जाता। इसलिए 250 साल बाद लोग 2026 के अमेरिका को उसी रूप में देख पाएंगे, जैसा वह आज है। इसका मकसद सिर्फ इतिहास बचाना नहीं, बल्कि यह दिखाना है कि 2026 का अमेरिका कैसा था। इसलिए इसमें सरकारी दस्तावेजों के साथ 50 राज्यों और आम लोगों की चुनी हुई चीजें भी रखी गई हैं। टाइम कैप्सूल सिर्फ वस्तुएं नहीं, बल्कि उस दौर की सोच, जीवनशैली और पहचान भी सहेजता है। यानी यह 250 साल बाद के लोगों के लिए 2026 की दुनिया का एक संदेश है।

भारत में भी दफनाया गया था टाइम कैप्शूल

1973 में आजादी के 25 साल पूरे होने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दिल्ली के लाल किले के पास भारत का पहला सरकारी टाइम कैप्सूल दफन कराया था। इसका नाम कालपात्र रखा गया।

गुरदासुपर सांसद ने उठाए कांग्रेस हाईकमान पर सवालः बोले- जो हो रहा, उसके लिए दिल्ली बैठे लोग जिम्मेदार, वफादारों को इग्नोर करते हैं

लुधियाना। पंजाब कांग्रेस में प्रधान पद को लेकर मचे विवाद के बीच सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पहली बार खुलकर पार्टी हाईकमान पर सवाल उठाए हैं। रंधावा ने कहा कि कई दौर की बैठकों, लंबी मशक्कत और नेताओं से अलग-अलग बातचीत के बावजूद आखिर वही फैसला लागू किया गया, जो चार महीने पहले तय हो चुका था। ऐसे में पूरी कवायद का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर यही निर्णय लेना था तो हाईकमान को पहले दिन ही साफ शब्दों में एक लाइन का आदेश जारी कर देना चाहिए था कि यही अंतिम फैसला है, जिसे मंजूर हो वह पार्टी में रहे और जिसे मंजूर न हो, वह अपना रास्ता चुन सकता है। गृहमंत्री अमित शाह से अपनी मुलाकात को लेकर कहा कि इस मुलाकात के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं थी। उनका गुरदासपुर-पठानकोट का निर्वाचन क्षेत्र सीधे पाकिस्तान बॉर्डर से सटा हुआ है, जहां सुरक्षा की बड़ी चुनौतियां हैं। अगर मुझे कोई राजनीतिक सेटिंग करनी होती, तो मैं सीधे उनके ऑफिस में जाता या फिर काले शीशे वाली गाड़ी में छिपकर जाता।

पूर्व डिप्टी सीएम व सांसद रंधावा ने कही अहम बातें...

हाईकमान को देना चाहिए था वन-लाइन ऑर्डर- हालिया सूची पर मचे बवाल और अपनी नाराजगी पर खुलकर बात करते हुए सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि जब तीन-चार दौर की लंबी बैठकें हो चुकी थीं, तो उसके बाद भी ऐसी नाराजगी सामने आना लीडरशिप का सबसे बड़ा फॉल्ट है। उन्होंने कहा- इस मुद्दे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात हुई, राहुल गांधी ने सभी को अलग-अलग बुलाकर चर्चा की और केसी वेणुगोपाल ने भी कई बार संवाद स्थापित किया। इसके बाद मुझे और चरणजीत सिंह चन्नी को बुलाया गया था। जब इतनी लंबी कवायद के बाद भी वही फैसला करना था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।